भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1318

जिसका उत्तर दिनांक 09.02.2022 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा संचालित बिजली

1318. डॉ. संजीव कुमार शिंगरी :
श्री पी.वी.मिधुन रेड्डी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 2014 के बाद से देश में परमाणु ऊर्जा संचालित बिजली की हिस्सेदारी में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है;

(ख) क्या यह हिस्सा गत दो दशकों के दौरान काफी हद तक स्थिर रहा है और यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(ग) सरकार द्वारा परमाणु ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) देश में कुल बिजली उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 2014 से लगभग 3 से 3.5% बनी हुई है। हालांकि, वास्तविक वाणिज्यिक उत्पादन कैलेंडर वर्ष 2014 में 34162 मिलियन यूनिट से बढ़कर कैलेंडर वर्ष 2021 में 43918 मिलियन यूनिट हो गया है।

(ख) पिछले दो दशकों में कुल बिजली उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा का हिस्सा लगभग 3 से 3.5% रहा है, इस प्रकार देश में कुल बिजली उत्पादन की वृद्धि के साथ तालमेल बना रहा है। कुल बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा का हिस्सा परमाणु ऊर्जा इकाइयों और सभी बिजली उत्पादन प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पादन पर निर्भर करता है। कुल बिजली उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा का हिस्सा देश में अधिक नाभिकीय ऊर्जा क्षमता जोड़कर बढ़ाने की योजना है।

(ग) भारत संधारणीय तरीके से देश को दीर्घकालिक सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु एक स्वदेशी त्रि-चरणीय नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम का अनुसरण कर रहा है । इसके अतिरिक्त, विदेशी सहायता से साधारण जल रिएक्टरों की स्थापना भी की जा रही है । देश को स्वच्छ बिजली प्रदान करने हेतु नाभिकीय ऊर्जा का विस्तार कार्यक्रम किया जा रहा है ।

* * * * *